not present in the House, naturally you would not know what has happend.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am only referring to a convention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Which convention?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Can the Government bypass the Parliamentary Standing committee and come straight to the House on an issue which ought to have been discussed there? That is my point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: In the committee?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: In the Parliamentary Standing Committee of Finance, it was not discussed.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): We are Members of the Standing Committee on Finance. These issues have not been discussed there but are listed here. That is why there is a surprise. *(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I would like to draw your attention, Madam, to the convention with regard to the Parliamentary Standing Committee. I am afraid, what Mr. Gurudas is saying is not *ipso facto*. To my understanding, the standing instructions given by the speaker and the Chairman are that if a Bill is considered fit by the Speaker or the Chairman of the House to be referred to a Standing Committee, then and then only that Bill is considered in a Standing Committee. It would be a totally wrong interpretation to assume that each and every piece of legislation would automatically be discussed in the Standing Committee. I wanted to clarify this position.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What Mr. Pranab Mukherjee is saying is absolutely correct. If the Chairman or the Speaker feels that a particular Bill or legislation is to be referred to a Standing Committee, then only it would be referred. If the Chairman or the Speaker in their wisdom do not sent it to the Standing Committee, it would directly come to the Hosue. As far as th Depository Bill is concerned, it was cleared by the Business Advisory Committee. कल आप नहीं थे मीटिंग में, आपने नहीं देखा कि क्या डिस्कशन हुआ। डिसीजन एनाऊंस हो गया है। अब यह मैटर क्लोज हो गया। Now we are taking up zero Hour mentions. Shri Bratin Sengupta, not here. Shri Salim?

[The Vice-Chairman (Shri Ajit P. K. Jogi) *in the Chair*]

RE. POLICE FIRING IN BANARAS HINDU UNIVERSITY

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं एक गंभीर विषय की ओर आपका और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी जो केन्द्र सरकार की एक संस्था है, वहां पर जो गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है उस ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, आप जानते हैं कि वहां फॉयरिंग हुई और 4 विद्यार्थी शहीद हुये और आज भी वह विश्वविद्यालय बंद पड़ा हुआ है और होस्टल खाली कर देने के लिये कहा गया है। महोदय, पिछले कई बरसों से तमाम विश्वविद्यालयों में जो नीति चलाई जा रही है और उससे जो स्थिति पैदा हो रही है, उससे विद्यार्थियों में कापने असंतोष है। चाहे वह शिक्षा के मुद्दे के बारे में हो, चाहे वह फीस के बारे में हो, चाहे वह दूसरी चीजों के बारे में हो, वहां बहुत असंतोष है। महोदय, आपको मालूम है कि हमने कई बार इस इशू को यहां पर उठाया है। पिछले 5 सालों में जिस तरह से विश्वविद्यालयों की ग्रांट्स को फ्रीज़ किया गया है, उससे इस तरह की शिकायत विद्यार्थियों में पैदा हुई है और वे सड़कों पर उतर आए हैं। लेकिन उनको रोकने का रास्ता यह नहीं है कि पुलिस ऐथॉरिटी इंटरवीन करे और गोली चले और स्टूडेंट्स मारे जाएं और होस्टल खाली कर दिये जाएं।

महोदय, विश्वविद्यालय को बंद करके या होस्टल खाली करवाकर हम इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते हैं। विश्वविद्यालय चालू रहने चाहिये और विद्यार्थी वहां होने चहिये। विद्यार्थियों की समस्याओं को सुलझाने के लिये आपको कोशिश करने पड़ेगी, एच॰आर॰डी॰ मिनिस्ट्री को इंटरवीन करना पड़ेगा क्योंकि यह सेंट्रल यूनिवर्सिटी है। महोदय, यह स्थिति सिर्फ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की नहीं है बल्कि दूसरे विश्वविद्यालयों में भी वही स्थिति होने जा रही है। दूसरी जो स्टेट

यूनिवर्सिटीज है, वहां भी यही होगा। अगर हम युनिवर्सिटी के लिये किये गये ऐलोकेशन को पूरा नहीं करते हैं और विद्यार्थियों के असंतोष का जो कारण है, उसको दूर नहीं करते हैं तो इस समस्या का समाधान नहीं होगा। इसका समाधान हम गोली चलाकर नहीं कर सकते हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को चालू करने की मांग करता हूं। मैं विद्यार्थियों की मांगों को पूरा करने की भी मांग करता हूं। मैं यह भी मांग करता हूं कि वहां जो फायरिंग हुई थी, उसकी जुडिशियल इंक्वायरी कराई जाए। मैं चाहता हूं कि सरकार इस मामले में जल्द से जल्द इंटरवीन करके छात्रों के असंतोष को दूर करे।

†[شری محمد سلیم (مغربی بنگال): مہودے - میں ایک گمبھیر وشے کی اور آپ کا اور سدن کا دھیان آکرشت کرنا چاہتا ہوں۔ مہودے بنارس ہندو یونیورسٹی جو کیندر سرکار کی ایک سنستھا ہے وہاں پر جو گمبھیر استھتی اتپن ہوئی ہے اس اور میں سرکار کا دھیان آکرشت کرنا چاہتا ہوں - مہودے آپ جانتے ہیں کہ وہاں فائرنگ ہوئی اور چار ودیارتھی شہید ہوئے اور آج بھی وہ وشوودیالیہ بند پڑا ہوا ہے اور ہوسٹل خالی کر دینے کیلئے کہا گیا ہے مہودے پچھلے کئی برسوں سے تمام وشوودیالیوں میں جو نیتی چلائی جا رہی ہے اور اس سے جو استھتی پیدا ہو رہی ہے اس سے ودیارتھیوں میں کافی اسنتوش ہے - چاہے وہ شکشا کے معاملے کے بارے میں ہو - چاہے وہ فیس کے بارے میں ہو - چاہے وہ دوسری چیزوں کے بارے میں ہو وہاں بہت اسنتوش ہے۔ مہودے آپ کو معلوم ہے کہ ہم نے کئی بار اس ایشو کو یہاں پر اٹھایا ہے پچھلے پانچ سالوں میں جس طرح سے وشوودیالیوں کی گرانٹس کو فریز کیا گیا ہے اس سے اس طرح کی شکایت ودیارتھیوں میں پیدا ہوئی ہے اور وہ سڑکوں پر اتر آئے ہیں - لیکن انکو روکنے کا راستہ یہ نہیں ہے کہ پولیس اتھوریٹی انٹروین کرے اور گولی چلے اور اسٹوڈینٹس مارے جائیں اور ہوسٹل خالی کر دئے جائیں -

مہودے - وشوودیالیوں کو بند کرکے یا ہوسٹل خالی کروا کر ہم اس سمسیا کا سمادھان نہیں کر سکتے ہیں - وشوودیالیہ چالو رہنے چاہئیں اور ودیارتھی وہاں ہونے چاہئیں - ودیارتھیوں کی سمسیاؤں کو سلجھانے کیلئے آپکو کوشش کرنی پڑیگی - ایچ آر ڈی منسٹری کو انٹروین کرنا پڑے گا کیونکہ یہ سینٹرل یونیورسٹی ہے - مہودے یہ استھتی صرف بنارس ہندو یونیورسٹی کی نہیں ہے بلکہ دوسری یونیورسٹیز میں بھی یہی استھتی ہونے جا رہی ہے - دوسری جو اسٹیٹ یونیورسٹیز ہیں وہاں بھی یہی ہوگا - اگر ہم یونیورسٹی کے لئے کئے گئے ایلوکیشن کو پورا نہیں کرتے ہیں اور ودیارتھیوں کے اسنتوش کا جو کارن ہے اسکو دور نہیں

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

کرتے ہیں تو اس سمسیا کا سمادھان نہیں
ہوگا۔ اسکا سمادھان ہم گولی چلا کر نہیں
کر سکتے ہیں۔

مہودے۔ میں آپکے مادھیم سے بنارس
ہندو یونیورسٹی کو چالو کرنے کی مانگ کرتا
ہوں میں یہ بھی مانگ کرتا ہوں کہ ودیارتھیوں
کی مانگیں پوری ہوں۔ میں یہ بھی مانگ کرتا ہوں
کہ وہاں جو فائرنگ ہوئی تھی اسکی جوڈیشیل
انکوائری کرائی جائے۔ میں چاہتا ہوں کہ سرکار
اس معاملے میں جلد سے جلد انٹروین کرکے
چھاتروں کے اسنتوش کو دور کرے۔

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): वहां हालत बहुत खराब हो गई है और वह उत्तर प्रदेश सरकार ने...**(व्यवधान)**

श्री विष्णु कांत शास्त्री(उत्तर प्रदेश): मैं यह बोलना चाहता हूं कि...**(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): शास्त्री जी, बिना अनुमति के न बोलें...**(व्यवधान)** कृपया बिना अनुमति के न बोलें।...**(व्यवधान)** इससे सम्बद्ध कर लें अपने आपको, सभापति महोदय ने आपको अनुमति नहीं दी है।...**(व्यवधान)** श्री ईश दत्त जी बोलिये। ...**(व्यवधान)**

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): हमारे साथी श्री सलीम साहब ने जो कुछ कहा है वह बिल्कुल सही है और मैं इसका समर्थन कर रहा हूं। मान्यवर, मासूम विद्यार्थियों पर वहां गोली चलाई गई जिसमें चार विद्यार्थी मारे गए। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसने वहां कर एजीटेशन का रूप धारण कर लिया है और सरकार इसको गंभीरता से नहीं ले रही है। काशी विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया है। छात्रों को छात्रावास से बाहर निकाल दिया गया है और पठन-पाठन बिल्कुल बंद कर दिया गया है। इसलिये मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध कर रहा हूं कि सरकार इसको गंभीरता से ले, इसमें हस्तक्षेप करे ताकि यह जो आन्दोलन है यह आगे ने बढ़ने पाए और विश्वविद्यालय में पठन-पाठन का काम शान्तिपूर्वक चल सके।

श्री एस० एस० आहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं मोहम्मद सलीम द्वारा उठाए गये मुद्दे का पूरी तरह साथ देता हूं और आपके माध्यम से मांग करता हूं कि कुछ दिन पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर वक्तव्य रखते हुये कहा था कि यह राज्य डिजास्टर की तरफ जा रहा है और अनार्की हो रही है, लॉलैसनैस है। तो मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि वहां जो गैर जिम्मेदार लोगों ने विश्वविद्यालय के प्रांगण में गोली चलाने का आदेश दिया, तो उनके ऊपर क्या कार्रवाई की जा रही है? वहां केन्द्र सरकार का राष्ट्रपति शासन चल रहा है। इस संबंध में केन्द्र सरकार सदन पटल पर एक वक्तव्य रखे और बताए कि ऐसे अफसरों के खिलाफ क्या कार्रवाई शासन ने की है जिन्होंने ऐसे आदेश दिये और गोली चलवाई और पूरा विश्वविद्यालय व छात्रवास बंद कर डाला गया और सील कर दिया गया। मैं ज्युडिशिएल इंक्वायरी की मांग करता हूं कि वहां पर तुरन्त ज्युडिशियल इंक्वायरी के लिये एक कमीशन बैठाया जाए और इंक्वायरी की जाए कि किन हालातों में गोली चलाने के आदेश दिये और वहां पर छात्रों को हताहत किया गया।

श्री नरेन्द्र मोहन: वहां ऐसे कोई हालात थे ही नहीं, न इतनी हिंसा थी कि पुलिस को गोली चलानी पड़ती। जो गोली चलाई गई वह बिल्कुल गलत तरीके से चालई गई। एक उपनियम है कि हमारे देश में किन हालातों में पुलिस गोली चलाएगी। ऐसी कोई स्थिति थी ही नहीं बनारस के अंदर। मैं मांग करता हूं कि सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्यायधीश के द्वारा इस प्रकरण की जांच कराई जाए।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): बहुत से माननीय सदस्य इस पर बोलना चाहते हैं। सब बोल नहीं सकते। जितने माननीय सदस्य खड़े हैं इससे इनको सम्बद्ध मान लिया जाता है।...**(व्यवधान)**

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश): बात यह है कि बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में जो कुछ छात्रों के साथ हुआ है और जो वहां के पुलिस अफसरों ने किया है उनके खिलाफ यानी दोषी अधिकारियों को सजा होनी चाहिये और उन तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए। 14 छात्र उसमें घायल हुये हैं। इससे बड़ी ज्यादती यूनिवर्सिटी के लोगों पर और स्टूडेंट पर क्या हो सकती है। आप दोषी अधिकारियों पर फौरन एक्शन कराइये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती चन्द्रकला पांडेय (पश्चिमी बंगाल): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे वरिष्ठ सांसद सलीम साहब ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उससे अपने आप को सम्बद्ध करती हूं। इस तरह से शिक्षा संस्थानों में पुलिस को बुला कर मनमानी करना और छात्रों को बेमौत मारे जाने के लिये विवश करना, यह बिलकुल गलत है और मैं इसकी न्यायिक जांच की मांग करती हूं।

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं 23 तारीख को इस घटना के मौके पर गया था। मैं दो बातें बताना चाहता हूं। जब पुलिस से भगदड़ मची तो कुछ लोग एक डॉक्टर के मकान पर चले गये और वहां पुलिस घुस गई। कुछ लड़के छत पकड़ कर नीचे उत्तर रहे थे, पुलिस ने उनके सिर पर ऐसा मारा कि वे वहीं उलट गये और मर गये। वह कॉलेज जहां 12—14 साल के लड़के ट्रेनिंग केलिये आते हैं, वहां होस्टल में घुस कर उनको जगा कर उनको पीटते हुये वे बाहर ले गये। न वहां प्रिंसिपल ने पुलिस को बुलाया था और न किसी और ने बुलाया था। ...(व्यवधान)...मान्यवर, वहां ए०डी०एम०खुद पिस्तौल चला रहा था। ऐसे सूरते हाल में दोषी लोगों को सजा दी जाए ताकि फिर ऐसी घटना न घटे।

شری محمد مسعود خاں (اتر پردیش): مہودے میں ۲۳ تاریخ کو اس گھٹنا کے موقع پر گیا تھا۔ میں دو باتیں بتانا چاہتا ہوں جب پولیس سے بھگدڑ مچی تو کچھ لوگ ایک ڈاکٹر کے مکان پر چلے گئے اور وہاں پولیس گھس گئی کچھ لڑکے چھت پکڑ کر نیچے اتر رہے تھے پولیس نے ان کے سر پر ایسا مارا کہ وہ وہیں الٹ گئے اور مر گئے وہ کالج جہاں بارہ چودہ سال کے لڑکے ٹریننگ کے لئے آتے ہیں وہاں ہوسٹل میں گھس کر انکو جگا کر انکو پیٹتے ہوئے وہ باہر لے گئے کہ نہ وہاں پرنسپل نے پولیس کو بلایا اور نہ کسی اور نے بلایا تھا۔ ۔۔ "مداخلت" ۔۔ مانیور وہاں اے۔ڈی۔ایم خود پستول چلا رہا تھا ایسی صورتحال میں دوشی لوگوں کو سزا دی جائے تاکہ پھر ایسی گھٹنا نہ گھٹے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Gurudasji, be very, very brief.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, Uttar Pradesh is under Presidential rule. If anything happens there, it comes on the shoulders of the Central government. Since the Governor is the administrator and Presidential rule is there, the Central Government cannot absolve itself of the responsibility of the atrocities and repression that have been let loose. Therefore, the Central Government must tell the House what it is going to do to restrain the lawlessness in Uttar Pradesh as we see in the reckless police firing in Varanasi. I want a statement. And, I want the Central Government to pull on. Otherwise, there is going to be serious anarchy there. There is already anarchy, and there is likely to be a greater amarchy. And, Sir, the Governor must be restrained.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करना चाहता हूं। राजनाथ सिंह जी ने इस मामले को पहले भी उठाया था। हमारी पार्टी का एक दल भी वहां पर गया था। जिस प्रकार की ज्यादतियां न केवल बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी में बल्कि उसके आपस-पास के कालेजों में हुई हैं, उससे पूरे उत्तर प्रदेश में और विशेषतया पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़ा संतोष फैल रहा है। इसीलिये मैं भी यह मांग करता हूं कि इस पर गृह मंत्री तुरन्त अपना एक स्टेटमेंट इस सदन में दें कि वहां क्या स्थिति है?

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे इतना ही कहना चाहती हूं कि जो मुद्दा सलीम साहब ने उठाया है, उससे मैं स्वयं को सम्बद्ध करती हूं। यह बड़े दुख और अफसोस की बात है लेकिन जब हम जांच की मांग कर रहे हैं तो जांच की कोई समय-सीमा तय की जानी चाहिये कि इतने समय के अंदर जांच हो और वहां पर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

श्री मोहम्मद आज़म खान (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष जी, सलीम साहब ने जी बी०एच०यू० के सिलसिले में मुद्दा उठाया है, मैं इससे अपने आप को सम्बद्ध करता हूं और इस बात पर बल देना चाहता हूं कि कई सेंट्रल युनिवर्सिटीज़ में इस तरह के वाकयात हो चुके हैं और इन सेंट्रल युनिवर्सिटीज़ में ....

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): आप इसी तक सीमित रखिए अपने आप को।

श्री मोहम्मद आज़म खान: जी। यूनियन के ऑफिस बीयरर्स दिल्ली में एक जगह बैठे हैं और उन्होंने खुद भी चिंता व्यक्त की है। बी०एच०यू० और एम०यू०, दोनों में इस तरह के हालात पिछले चार-पांच सालों से चल रहे हैं। इसकी ज्यूडीशियल इनक्वायरी की मांग हुई है और दोनों ने मिल कर एक बार यह मांग की थी कि बी०एच०यू० और एम०यू० के कैम्पस में होने वाली इन सारी डिस्टर्बेंसेज के लिए बुनियादी जिम्मेदार कौन है?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Do not mention the names of other Universities.

श्री मोहम्मद आज़म खान: तो मैं चाहता हूं कि सी०बी०आई० की जांच अगर हो जाए तो सही हालात का अंदाज़ा हो जाएगा। इस विषय से सम्बद्ध करते हुए मैं इस मामले की सी०बी०आई० जांच की मांग करता हूं।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): मैं समझता हूं कि यह अत्यंत गंभीर मसला है और सभी पार्टियों के सदस्यों ने इसे उठाया है इसलिए शासन इसकी ओर ध्यान दे। गृह मंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी इस पर जरूर विचार करें।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): इस पर एक वक्तव्य आना चाहिए।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: हमने स्टेटमेंट की मांग की है और न्यायिक जांच की मांग की है।

RE: NEED FOR O.N.G.C. TO EXPLOIT THE NATURAL GAS AVAILABLE ALONG INDO-PAK BORDER

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत अहम सवाल की ओर दिलाना चाहता हूं। राजस्थान के जैसलमेर ज़िले में पाक बॉर्डर पर बहुत बड़े गैस के भंडार हैं। यह बात कई वर्षों से कही जा रही है और मांग की जा रही है।

सरकार ने भी विदेशी ड्रिलिंग कम्पनियों को बुलाकर इसमें पहले काम शुरू करवाया था, उस समय भी शंकाएं व्यक्त की गयी थीं कि जान-बूझकर तथ्यों को प्रकट होने से रोका जा रहा है और ऐसी जगहों पर कुंएं खोदे गये जहां तेल गैस की संभावना नहीं थी और रिपोर्ट आ गयी। वहां का काम खत्म हो गया। अब तो यह मान लिया गया है, इंटरनेशनल कम्पनियों ने भी मान लिया है कि वहां पर विशाल गैस के भंडार हैं और ऐसे भी भंडार हैं जो हिन्दुस्तान-पाकिस्तान की सीमाओं के आर पार फैले हुए हैं। पाकिस्तान सीमा से दो किलोमीटर दूर वहां एक बहुत बड़ा ऑयल रिफाइनरी का कारखाना खुला हुआ है। वहां से वे प्रतिदिन डेढ़ मिलियन क्यूबिक मीटर गैस निकालकर 40 किलोमीटर दूर उनका एक पॉवर प्लांट है, उसको फीड करते हैं। ओ०एन०जी०सी० ने भी यह मान लिया गया है कि वह रिसोर्स हिन्दुस्तान की सीमा में भी है। अगर ओ०एन०जी०सी० तत्काल पहल करे तो वहां से एक मिलियन क्यूबिक मीटर गैस प्रतिदिन निकाली जा सकती है। अभी तक जैसलमेर इलाके में जितनी गैस प्लांट के आधार पर बिजली बन रही है, उस सबकी वह पूर्ति करेगा, इससे भी बड़ी आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि शीघ्र ओ०एन०जी०सी० के सुपुर्द यह काम किया जाए या और भी किसी से सलाह लेनी हो तो लें और उस क्षेत्र में जो पाकिस्तान से लगा हुआ गैस भंडार है, वहां अपना काम शुरू करके गैस प्राप्त करने की कोशिश की जाए।

श्री सतीश अग्रवाल (राजस्थान): महोदय, मैं भी श्री सुंदर सिंह भंडारी जी के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं और इसके लिए सरकार से पुरजोर मांग करता हूं।

एस०एस० अहलुवालिया (बिहार): महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूं। हमारे यहां जब से सैटालाइट लगे हैं, उससे हम मैपिंग कर सकते हैं कि कहां तेल है और कहां तेल नहीं है, कहां खनिज पदार्थ है। ओ०एन०जी०सी० उसका प्रयोग नहीं कर रहा है और यह